Department of Yoga Science

GURU JAMBHESHWAR UNIVERSITY OF SCIENCE &TECHNOLOGY, HISAR

11th International Day of Yoga

on

21ST June, 2025

CHIEF GUEST
Prof. Narsi Ram Bishnoi
Hon'ble Vice Chancellor
GJUS&T, Hisar

GUEST OF HONOUR
Dr. Vijay Kumar
Worthy Registrar
GJUS&T, Hisar

KEYNOTE SPEAKER
Acharya Sachin Dixit
Geeta Academy
Hisar

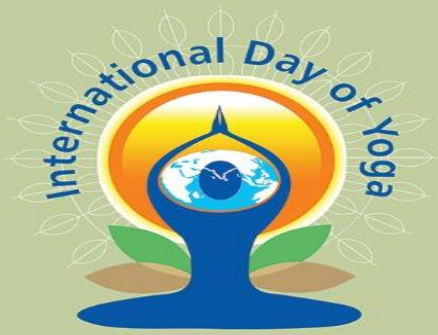

Prof. Sumitra Singh
Dean
Faculty of Medical Sciences, GJUS&T, Hisar

Prof. Shabnam Joshi
Chairperson
Department of Yoga Science,GJUS&T, Hisar

Time:
6:00 AM Onwards

Venue: Central Plaza Park, Opposite CRS Auditorium, GJUS&T, Hisar

GURU JAMBHESHWAR UNIVERSITY OF
SCIENCE & TECHNOLOGY, HISAR
("A++"Grade NAAC Accredited)
Department of Yoga Science
Organizes
11th International Day of

Organizes
11th International Day of
YOGA

गुजवि में योग कक्षाओं का शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार में योग विज्ञान विभाग के सौजन्य से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर योग कक्षाओं का शुभारंभ किया गया। इस दस दिवसीय योग शिविर में विभिन्न योग गतिविधियां संचालित की जाएगी तथा अनेक बीमारियों के समाधान हेतु योगासन की भी जानकारी दी जाएगी। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को इस शिविर से लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में योग को अपनी जीवन शैली में सम्मिलित करना चाहिए। विभागाध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने प्रतिभागियों को योग के महत्व के बारे में बताया। इस योग दिवस के उपलक्ष में दस दिवसीय योग कक्षाओं में शिक्षक, गैरशिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थी भाग ले रहे हैं तथा योग कक्षाओं का लाभ उठा रहे हैं। इस कार्यक्रम में विशेष तौर पर डा. सत्या सावंत, प्रो. सुजाता सांघी, डा. सुमन बहमनी व डा. प्रज्ञा कौशिक आदि ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन मानव कुमार ने किया। इस अवसर पर शुक्रवार को डा. सत्या सावंत विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होंगी तथा योग के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी देंगी।

जीजेयू : विद्यार्थी योग में बनाएं सुनहरा भविष्य

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए इंटीग्रेटेड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च) एमएससी इन योगा साइंस एंड थेरेपी एवं एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी पाठ्यक्रमों में दाखिला प्रक्रिया जारी है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि योग विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत योग विज्ञान एवं थेरेपी में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से दो शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में वर्ष 2024 से इंटीग्रेटेड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)-एमएससी इन योग साइंस एंड थेरेपी पांच वर्षीय पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इस शैक्षणिक सत्र से एमएससी योग साइंस एंड थेरेपी (दो वर्षीय पाठ्यक्रम) की शुरुआत राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत की जा रही है।

नए सत्र से शुरू की एमएससी योग साइंस एंड थेरेपी

योग में कॅरिअर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। प्रवेश प्रक्रिया एवं पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.gjust.ac.in पर उपलब्ध है। संवाद

जीजेयू में 'विशेष योग आसन प्रदर्शन' कार्यक्रम का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 15 जून : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार (गुजविप्रौवि) में योग विज्ञान विभाग के सौजन्य से 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत 'विशेष योग आसन प्रदर्शन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सावंत हस्पताल, हिसार की डा. सत्या सावंत इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रही। डा. सत्या सावंत ने मानव कल्याण व ध्यान के लिए विशेष योग आसन प्रदर्शन करवाया, जिसका कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों, गैरशिक्षक कर्मचारियों, विद्यार्थियों व उनके परिवार के सदस्यों ने भरपूर लाभ

उठाया। डा. सत्या सांवत ने कहा कि वर्तमान समय में गलत जीवनशैली के कारण बढ़ती बीमारियों से बचने के लिए योग अत्यंत आवश्यक हैं। इस कार्यक्रम में योगा विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने विशेष अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया तथा उपस्थित प्रतिभागियों को प्रतिदिन योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। योग कक्षा सत्र में फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर, प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. अर्चना कपूर, डा. प्रज्ञा कौशिक, अंजु बिश्नोई व कोमल बिश्नोई, सोनू गोयल, विजय डाबला, मोहन सिंह तथा विद्यार्थियों व अन्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मंच संचालन योगाचार्य मानव कुमार ने किया।

GURU JAMBHESHWAR UNIVERSITY OF
SCIENCE &TECHNOLOGY, HISAR
("A+"Grade NAAC Accredited)
Department of Yoga Science
Organizes
11th International Day of
YOGA
2025
Yoga for one earth, one health
International Day of Yoga

योग विश्व को भारत की अद्भूत देन : प्रो. बिश्नोई

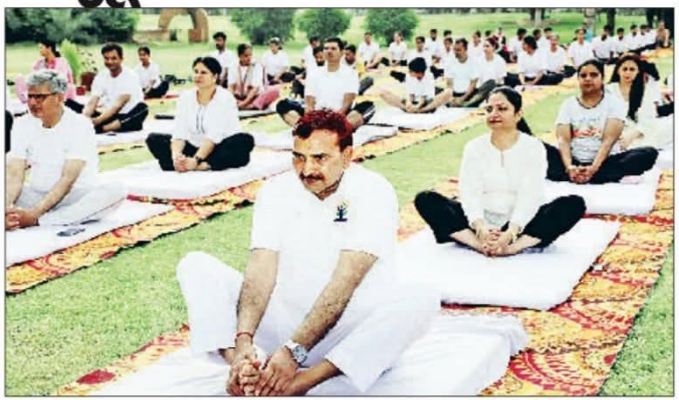

हिसार। योग दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में योग करते कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई। *फोटो :हरिभूमि*

■ गुजवि में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर हुआ कार्यकम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने कहा है कि वर्तमान समय में जब सम्पूर्ण विश्व पर्यावरणीय संकटों और जीवनशैली जनित रोगों से जूझ रहा है, ऐसे में योग एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। 'योगा फॉर वन अर्थ-वन हेल्थ' का संदेश योग के माध्यम से संपूर्ण मानवता तक पहुंचना चाहिए। योग भारत की विश्व को अद्भूत देन है। विश्व इसके लिए भारत का हमेशा कृतज्ञ रहेगा। कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय में आयोजित योग समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग के सौजन्य से आयोजित इस आयोजन में कुलसचिव डा. विजय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यवक्ता गीता अकादमी हिसार के आचार्य सचिन दीक्षित थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. शबनम जोशी ने की।

इस अवसर पर ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के मेंबर प्रोफेसर जसप्रीत कौर व डॉ. कालिंदी आदि सहित अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष व विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योग दिवस पर शहर में हुए कार्यक्रम

हिसार | जीजेयू में योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने कहा है कि वर्तमान समय में जब सम्पूर्ण विश्व पर्यावरणीय संकटों और जीवनशैली जनित रोगों से जूझ रहा है, ऐसे में योग एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। योग भारत की विश्व को अद्भुत देन है। विश्व इसके लिए भारत का हमेशा कृतज्ञ रहेगा। विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग के सौजन्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया।

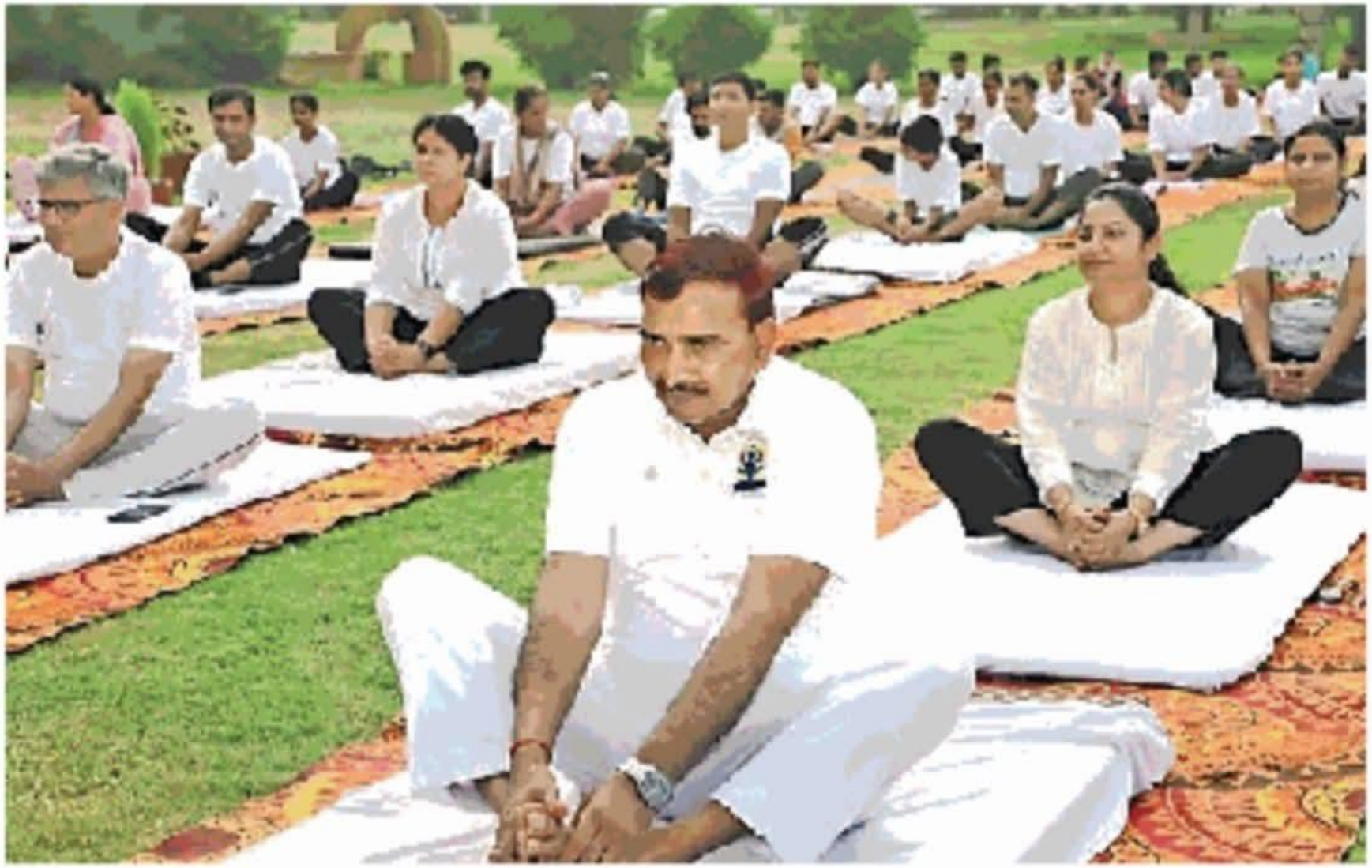

गुजविप्रौवि में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में योग करते कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई • पीआरओ

योग प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है : प्रो. बिश्नोई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने कहा है कि वर्तमान समय में जब सम्पूर्ण विश्व पर्यावरणीय संकटों और जीवनशैली जनित रोगों से जूझ रहा है, ऐसे में योग एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। योगा फॉर वन अर्थ-वन हेल्थ का संदेश योग के माध्यम से संपूर्ण मानवता तक पहुंचना चाहिए। योग भारत की विश्व को अद्भुत देन है। विश्व इसके लिए भारत का हमेशा कृतज्ञ रहेगा। कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय में आयोजित योग समारोह को बतौर

मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस आयोजन में कुलसचिव डा. विजय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य उद्देश्य सम्पूर्ण पृथ्वी के स्वास्थ्य एवं मानव कल्याण के लिए योग के महत्व को प्रचारित करना है। 21 जून वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। यह गर्मी का संक्रांति दिवस है। इस दिन सूर्य उत्तरायण से दक्षिणायण की ओर बढ़ता है, और योग के दृष्टिकोण से इसे एक विशेष आध्यात्मिक महत्व प्राप्त है। यह ऊर्जा का संतुलन और स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है।

कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता में योग को केवल शारीरिक अभ्यास तक सीमित नहीं माना गया है, बल्कि इसे एक व्यापक जीवन दर्शन बताया गया है। गीता के अनुसार 'योगः कर्मसु कौशलम्' योग का अर्थ है अपने कर्मों में कुशलता। इसका आशय यह है कि मन, वाणी और शरीर को संतुलित रखते हुए निष्काम भाव से कर्तव्य का पालन करना ही सच्चा योग है।

Photo

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार
आप सभी को
78 वें

4th DISTRICT YOGASANA SPORTS CHAMPIONSHIP-2024
Org. by
DISTRICT YOGASANA SPORTS ASSOCIATION, HISAR
Under the Auspicious Authority of
HARYANA YOGASANA SPORTS ASSOCIATION, (HYSA)
Affiliated to YOGASANA BHARAT
(Earlier Known as National Yogasana Sports Federation) (NYSF)
Recognised by Ministry of Youth Affairs and Sports, Govt. of India
In Collaboration With D. N. College, Hisar
Events
Sh. Udit Sheth
Dr. Jaideep Arya
President, HYSA
GIVE me COFFEE

SURVEILLANCE ROOM

ध्यान से भय, क्रोध, अवसाद होता है कम : प्रो. बिश्नोई

जीजेयू में ध्यान दिवस पर ध्यान सत्र का आयोजन

कार्यक्रम का उद्घाटन करते विशिष्ट अतिथि प्रो. सुमित्रा सिंह।

भास्कर न्यूज | हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग ने प्रथम अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस के उपलक्ष्य पर ध्यान सत्र आयोजित किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की भाँति अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस के रूप में विश्वभर में मनाए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया है। इसी उपलक्ष्य में शुक्रवार को योग विज्ञान विभाग द्वारा चौधरी रणबीर सिंह सभागार में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए ध्यान सत्र का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने इस आयोजन के उपलक्ष्य पर अपने संदेश में कहा कि 21 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस घोषित करना भारत के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. शबनम जोशी ने की। विभाग से डॉ. नवीन ने कहा कि ध्यान से भय, क्रोध, अवसाद कम होता है।

प्रो. शबनम जोशी ने कहा कि आधुनिक समय की भागदौड़ भरी जिंदगी में ध्यान का बहुत महत्व है। यह एक सुस्थापित तथ्य है कि कुछ आसनों, मुद्राओं, प्राणायाम और ध्यान इत्यादि का नियमित अभ्यास, शारीरिक और मानसिक कार्य में उल्लेखनीय अंतर प्रदान करता है।

अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस घोषित करना गौरव की बात : वीसी

गुजविप्रौवि में कार्यक्रम का उद्घाटन करते विशिष्ट अतिथि प्रो. सुमित्रा सिंह • विज्ञप्ति।

जासं•हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग की ओर से प्रथम अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के उपलक्ष्य पर ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से 21 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के रूप में विश्व भर में मनाए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया है। इसी उपलक्ष्य में योग विज्ञान विभाग की ओर से चौधरी रणबीर सिंह सभागार में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए ध्यान सत्र का आयोजन किया गया।

विवि कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि 21 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस घोषित करना भारत के लिए गौरव की बात है। चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह ने बतौर विशिष्ट कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अंतर राष्ट्रीय ध्यान दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव रखा और उसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। उन्होंने बताया कि ध्यान भारत की पुरातन पद्धति है और सदियों से हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा है।

जिंदगी में ध्यान का होता है बहुत महत्व है : प्रो. शबनम

प्रो. शबनम जोशी ने कहा कि आधुनिक समय की भागदौड़ भरी जिंदगी में ध्यान का बहुत महत्व है। प्राचीन अध्येताओं की ओर से शरीर व मस्तिष्क के बीच संबंध को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। विभाग की शिक्षिका निहारिका सिंह ने हरियाणा योग आयोग द्वारा जारी किए गए ध्यान प्रोटोकाल का अभ्यास करवाया।

गुणवत्ता स्थापित करने के लिए नवीनतम शोध उपकरणों का ज्ञान होना आवश्यक : नरसी

जासं•हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की गुणवत्ता स्थापित करने के लिए नवीनतम शोध उपकरणों का ज्ञान होना आवश्यक है। एनएमआर तथा एचपीएलसी आधुनिक शोध की महत्वपूर्ण तकनीक हैं। विशेषकर नववैज्ञानिकों को इन तकनीकों की जानकारी होना आवश्यक है।

प्रो. नरसी राम बिश्नोई विश्वविद्यालय के डा. एपीजे अब्दुल कलाम सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी की ओर से कंप्रिहेंसिव हैंड्स आन वर्कशाप आन एनएमआर एंड एचपीएलसी टेक्नीक्स पर संपन्न हुई कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

30 छात्रों ने लिया भाग

कुलपति प्रो. नरसी राम ने कहा कि शोधार्थियों की संपूर्ण क्षमताओं के प्रयोग के लिए उन्हें तकनीकों व उपकरणों का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। गुजविप्रौवि उच्च स्तरीय शोध के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा निर्माण में सीआइएल का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने इसके लिए शिक्षकों के साथ गैर शिक्षकों के योगदान को भी सराहा। कार्यशाला में प्रतिभागी पूजा, सोनू कुलकर्णी, अरूण सिंह, मुकुल मिश्रा, मनीषा, आदित्य राय तथा हिमांशू ने अपने अनुभव सांझा किए।

प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई। विज्ञप्ति।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण
द्वारा आयोजित
नृत्य, संगीत एवं अभिनय
मुख्य अति
डॉ. विवेक भारती, आईएए
महेंद्रगढ़
अध्यक्ष
प्रो. नरसी राम
हिसार
दिनांक: 22 मार्च,
30 से 7.30

द्वारा आयोजित
अभिव्यक्ति
नृत्य, संगीत एवं अभिनय का अद्
मुख्य अतिथि
डॉ. विवेक भारती, आईएएस,
युक्त, महेंद्रगढ़
अध्यक्षता
प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति
विप्रौवि, हिस
दिनांक: 29 मार्च, 2025 | समय:
बजे तक

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार
अधिष्ठाता छात्र कल्याण
द्वारा आयोजित
अभिव्यक्ति
मुख्य अतिथि:
डॉ. विवेक भारती, आईएएस, उपायुक्त, महेंद्रगढ़

गुजवि में छात्र कल्याण ने मनाया 'अभिव्यक्ति' कार्यक्रम, विद्यार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से चौ. रणबीर सिंह ऑडिटोरिम में 'अभिव्यक्ति' कार्यक्रम पूरे हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम में डॉ विवेक भारती, आईएएस, उपायुक्त महेंद्रगढ़ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने की। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डा. वंदना बिश्नोई भी इस अवसर पर उपस्थित रही।

कार्यक्रम का आयोजन अधिष्ठाता, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. योगेश चाबा एवं डायरेक्टर कल्चरल अफेयर्स प्रो.हिमानी शर्मा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया गया।

इस मौके पर कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह एक ऐसा उत्सव है, जिसमें हमारे विद्यार्थी अपने भीतर के टेलेंट की अभिव्यक्ति करते हैं।

जिसका उद्देश्य काफी व्यापक है। क्योंकि आज के विद्यार्थी को जिसके जीवन में कहीं कुछ बनने का तनाव है, तो कहीं तेजी से भागती दुनिया में सब कुछ तुरंत पाने की लालसा है। और एक स्टूडेंट के मनोविज्ञान को देखते, परखते और समझते हुए उन्हें ऐसी अभिव्यक्ति से हम उसे यहां जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। जहां वो कलाओं के माध्यम से अपने जीवन को सरलता से समझ पाएंगे।

मुख्य अतिथि डॉ. विवेक भारती ने कहा कि विद्यार्थियों की कला की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम वास्तव में ही विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं नृत्य, संगीत एवं अभिनय का अद्भुत संगम ही है। कलाओं के बिना सुंदर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

अभिव्यक्ति में विभिन्न विभागों से कोरियोग्राफी, ग्रुपसॉन्ग, स्किट, क्लासिकल डांस, वनएक्ट प्ले, गिदा, राजस्थानी डांस, लावनी, पंजाबी डांस, इमोशनलेस डांस, हरियाणवी समूह नृत्य, भांगड़ा, शास्त्रीय नृत्य विभिन्न प्रकार की विधायों की प्रस्तुतियां हुई।

मनमोहक : हिसार में आयोजित अभिव्यक्ति कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। स्रोत : संस्थान

अभिव्यक्ति में झूमे छात्र, नृत्य से मन मोहा

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में शनिवार रात 'अभिव्यक्ति' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं जिस पर दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम में डॉ. विवेक भारती, आईएएस, उपायुक्त महेंद्रगढ़ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने की। विवि की प्रथम महिला डॉ. वंदना बिश्नोई भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन अधिष्ठाता, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. योगेश चाबा एवं डायरेक्टर कल्चरल अफेयर्स प्रो. हिमानी शर्मा के निर्देशन में किया गया।

अभिव्यक्ति में विभिन्न विभागों से कोरियोग्राफी, ग्रुप सॉन्ग, स्किट, क्लासिकल डांस, वन एक्ट प्ले, गिद्दा, राजस्थानी डांस, लावनी, पंजाबी डांस, हरियाणवी समूह नृत्य, भांगड़ा, शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि ने नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल में गुजवि की विजेता रही टीम के सभी विद्यार्थियों को भी नकद राशि, प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. दीपमाला, डॉ. रामप्रताप, डॉ. विक्रमजीत निर्णायक रहे। मनोविज्ञान विभाग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग और योगा साइंस की टीमों को सर्वोत्तम प्रस्तुति के लिए अवॉर्ड से नवाजा।

छात्रों संग मुख्यातिथि डॉ. विवेक भारती एवं कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई। स्रोत : संस्थान

राष्ट्रीय युवा महोत्सव के विजेताओं को भी किया सम्मानित

इस दौरान एमिटी नोएडा में सम्पन्न हुए नेशनल यूथ फेस्टिवल में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को नकद राशि, प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा नॉर्थ वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी लेवल पर भी 10 पुरस्कार जीतने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

गजब का संतुलन

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में शनिवार रात अभिव्यक्ति कार्यक्रम का आगाज हुआ। कार्यक्रम में मंच पर योग का प्रदर्शन करते प्रतिभागी। संवाद

योग को दिनचर्या में अपनाना चाहिएः प्रो. संजीव कुमार

हिसार। योग कक्षाओं का शुभारंभ करते डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार।

■ छात्रावास नंबर-4 में विद्यार्थियों के लिए योगा कक्षाएं आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के लड़कों के छात्रावास नंबर-4 में विद्यार्थियों के लिए योगा कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रोफेसर एवं डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार ने इन कक्षाओं का शुभारंभ किया। प्रो. संजीव कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग को दिनचर्या में अपनाना चाहिए। वर्तमान की भागदौड़ की दिनचर्या में बीमारियां बढ़ती जा रही है। योग में भाग लेने से बीमारियों से निजात पाई जा सकती है। योग से मन की शांति होती है तथा तनाव मुक्त जीवन व स्वास्थ्य लाभ मिलता है। इससे शरीर की थकान दूर होती है तथा वजन पर भी नियंत्रण पाया जा सकता है।

कार्यक्रम में चीफ वार्डन प्रो. ओमप्रकाश सांगवान, वार्डन डॉ. मनोज यादव, डॉ. विक्रमजीत सिंह व डॉ. सार्दुल सिंह सहित छात्रावास के निवासी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के योग विभाग के योगाचार्य प्रकाश ने विद्यार्थियों को योग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।

जीजेयू के छात्रावास नंबर चार में योग कक्षाएं शुरू

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीजेयू) के लड़कों के छात्रावास नंबर-4 में विद्यार्थियों के लिए योगा कक्षाओं का शुभारंभ हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि योग को दिनचर्या में अपनाना चाहिए। वर्तमान की भागदौड़ की दिनचर्या में बीमारियां बढ़ती जा रही है। योग में भाग लेने से बीमारियों से निजात पाई जा सकती है। योग से मन की शांति होती है और तनाव मुक्त जीवन व स्वास्थ्य लाभ मिलता है। इस मौके पर चीफ वार्डन प्रो. ओमप्रकाश सांगवान, वार्डन डॉ. मनोज यादव, डॉ. विक्रमजीत सिंह, डॉ. सार्दुल सिंह मौजूद रहे। योगाचार्य प्रकाश ने विद्यार्थियों को योग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। ब्यूरो

ग्रुप कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में गुजवि के 16 विद्यार्थियों का हुआ चयन

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से फिजियोथेरेपी विभाग के सहयोग से बीपीटी, एमपीटी और एमएससी साइंस थेरेपी पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए ग्रुप कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस ड्राइव में छह कंपनियों ने भाग लिया और 11 फिजियोथेरेपी और 5 योग विद्यार्थियों सहित 16 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों व संकाय सदस्यों को बधाई दी। कुलपति कार्यालय में कई पूर्व विद्यार्थियों सहित सभी भर्तीकर्ताओं के साथ बातचीत करते हुए कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता व विद्यार्थियों को प्रदान किए गए प्रशिक्षण को दशार्ती है। प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विश्वविद्यालय में पूर्व विद्यार्थियों की निरंतर भागीदारी और योगदान की सराहना की।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर, डीन मेडिकल साइंसिज प्रो. सुमित्रा दहिया ने भी विद्यार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा डॉ. जसप्रीत कौर ने कहा कि विद्यार्थियों ने चयन प्रक्रिया के दौरान अपने कौशल, ज्ञान और समर्पण का प्रदर्शन किया और अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों और व्यावहारिक विशेषज्ञता से भर्तीकर्ताओं को प्रभावित किया। विद्यार्थियों का चयन फिजियोथेरेपी और योग के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता का प्रमाण है।

गुजविप्रौवि हिसार में कंपनी अधिकारियों के साथ कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई एवं अन्य।

प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि ग्रुप कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में छह कंपनियों कॉग्निएबल टेक, विजन चिल्ड्रन रिहैबिलिटेशन सेंटर, हेल्थ सेंस फिजियो एंड वेलनेस क्लिनिक, मसल मोशन, हिसार योगशाला और वेदामृता हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। इस ड्राइव में 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने हिसार योगशाला से अनिल पान्नू व गौरव, कॉग्निएबल टेक से डॉ. हिमांशु व सुनील बेहलोत, हेल्थ सेंस फिजियो एंड वेलनेस क्लिनिक से डॉ. सौरभ मंगला, मसल मोशन से डॉ. विशेषवर, डॉ. विनोद सहित कंपनियों के अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

इस ड्राइव के संचालन व विद्यार्थियों का चयन करने के लिए विजन चिल्ड्रन रिहैबिलिटेशन सेंटर और वेदामृता हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के डॉ. शुभम को भी धन्यवाद दिया गया। उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने और उन्हें प्रेरित करने तथा कंपनियों को आमंत्रित करने के लिए फिजियोथेरेपी विभाग के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट कोर्डिनेटर्स डॉ. मनोज मलिक, डॉ. वरुण, प्रकाश व डॉ. राम निवास का भी आभार व्यक्त किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक डॉ. आदित्य वीर सिंह ने बताया कि कॉग्निएबल टेक में बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी से मोनिका, संजय, मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी से अंशू यादव, अजय शर्मा, तानिया सिंह, निशा व जेबा यामीन, एमए योगा साइंसिज से योगिता व प्रिया का चयन हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

योग भारतीय ज्ञान परम्परा का महत्वपूर्ण सोपान : योगाचार्य प्रकाश

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, यह विचारणीय है कि योग केवल शारीरिक व्यायाम का एक रूप नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परम्परा का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण सोपान है। यह दिवस हमें इस प्राचीन विद्या की गहराई और व्यापकता को समझने का अवसर प्रदान करता है। योग शब्द स्वयं युज धातु से बना है, जिसका अर्थ है जोड़ना या एकाकार करना। यह आत्मा का परमात्मा से, व्यक्ति का समष्टि से और मन का शरीर से एकाकार करने की प्रक्रिया है। पतंजलि के योगसूत्र, जो छः आस्तिक भारतीय दर्शनों में से एक है, योग को चित्त वृत्तियों के निरोध के रूप में परिभाषित करते हैं। यह परिभाषा स्पष्ट करती है कि योग का प्राथमिक लक्ष्य मानसिक शांति और आत्म-नियंत्रण है, जो अंततः आत्म-साक्षात्कार की ओर ले जाता है। भारतीय ज्ञान परम्परा में, योग को केवल स्वास्थ्य लाभ के लिए नहीं देखा गया है, बल्कि इसे मोक्ष और मुक्ति का मार्ग माना गया है। वेदों, उपनिषदों, भगवद्गीता और विभिन्न पुराणों में योग के सिद्धांतों और अभ्यासों का विस्तृत वर्णन मिलता है। यह दर्शाता है कि योग सदियों से भारतीय जीवनशैली और दार्शनिक चिंतन का केंद्रीय हिस्सा रहा है। आज जब पूरी दुनिया तनाव, चिंता और बीमारियों से जूझ रही है, योग एक प्रभावी समाधान के रूप में उभरा है। इसकी विभिन्न मुद्राएं (आसन), श्वास तकनीकें (प्राणायाम) और ध्यान (मेडिटेशन) न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं बल्कि मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन भी प्रदान करते हैं। यह भारतीय ज्ञान परम्परा की वह अमूल्य धरोहर है, जिसे आज विश्व भर में अपनाया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि भारत ने विश्व को शांति, स्वास्थ्य और आत्मज्ञान का एक शक्तिशाली उपकरण दिया है। योग वास्तव में भारतीय ज्ञान परम्परा का एक महत्वपूर्ण सोपान है, जो मानवता को एक स्वस्थ और सुखी जीवन की ओर अग्रसर करता है।

योग : भारतीय ज्ञान परम्परा का महत्वपूर्ण सोपान

21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। योग केवल शारीरिक व्यायाम का एक रूप नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परम्परा का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण सोपान है। यह दिवस हमें इस प्राचीन विद्या की गहराई और व्यापकता को समझने का अवसर प्रदान करता है। योग शब्द स्वयं युज धातु से बना है, जिसका अर्थ है जोड़ना या एकाकार करना।

प्रकाश

यह आत्मा का परमात्मा से, व्यक्ति का समष्टि से और मन का शरीर से एकाकार करने की प्रक्रिया है। पतंजलि के योगसूत्र, जो छह आस्तिक भारतीय दर्शनों में से एक है, योग को चित्त वृत्तियों के निरोध के रूप में परिभाषित करते हैं। यह परिभाषा स्पष्ट करती है कि योग का प्राथमिक लक्ष्य मानसिक शांति और आत्म-नियंत्रण है, जो अंततः आत्म-साक्षात्कार की ओर ले जाता है।

भारतीय ज्ञान परम्परा में, योग को केवल स्वास्थ्य लाभ के लिए नहीं देखा गया है, बल्कि इसे मोक्ष और मुक्ति का मार्ग माना गया है। वेदों, उपनिषदों, भगवद्गीता और विभिन्न पुराणों में योग के सिद्धांतों और अभ्यासों का विस्तृत वर्णन मिलता है। यह दर्शाता है कि योग सदियों से भारतीय जीवन शैली और दार्शनिक चिंतन का केंद्रीय हिस्सा रहा है।

आज जब पूरी दुनिया तनाव, चिंता और बीमारियों से जूझ रही है, योग एक प्रभावी समाधान के रूप में उभरा है। इसकी विभिन्न मुद्राएं (आसन), श्वास तकनीकें (प्राणायाम) और ध्यान (मेडिटेशन) न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं बल्कि मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन भी प्रदान करते हैं। यह भारतीय ज्ञान परम्परा की वह अमूल्य धरोहर है, जिसे आज विश्व भर में अपनाया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि भारत ने विश्व को शांति, स्वास्थ्य और आत्मज्ञान का एक शक्तिशाली उपकरण दिया है। योग वास्तव में भारतीय ज्ञान परम्परा का एक महत्वपूर्ण सोपान है, जो मानवता को एक स्वस्थ और सुखी जीवन की ओर अग्रसर करता है।

योगाचार्य प्रकाश असिस्टेंट प्रोफेसर, योग विज्ञान विभाग, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार।

Welcome
ru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar
ter College Tournament

जीजेयू में 'साउंड बाथ तकनीक' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्याख्यान सत्र का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 मार्च : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के फिजियोथेरेपी विभाग के सौजन्य से 'साउंड बाथ तकनीक' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का आयोजन विशेष रूप से फिजियोथेरेपी विभाग में योग विषय के विद्यार्थियों के लिए किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस कार्यक्रम में साउंड बाथ विषय पर व्याख्यान हेतु रूस से मिखाइल विषय विशेषज्ञ के तौर पर आमंत्रित थे और उनके सहयोग में अल्विताना व विन्डम ऑफ माइंड संस्था के जितेंद्र कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग की अध्यक्ष डॉ. शबनम जोशी ने की। मुख्य अतिथि प्रो. अवनीश वर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा व नई-नई तकनीकों के बारे में अवगत कराने हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि साउंड बाथ तकनीक जैसी आध्यात्मिक प्रक्रियाओं के माध्यम से

विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी अपने अवचेतन मन को जागृत कर अपनी प्रतिभाओं को विकसित कर विश्वविद्यालय व राष्ट्र के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। उन्होंने विभाग की इस पहल पर विभागाध्यक्षा एवं आयोजक टीम की प्रशंसा की। इस अवसर पर मिखाइल ने साउंड बाथ टेक्निक की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस तकनीक से विभिन्न शारिरिक व मानसिक समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। जैसे तनाव, अनिद्रा, अवसाद, कुंठा, अनिच्छा, क्रोध, अतीच्छा, चंचलता, उद्विग्नता मानसिक रोग आदि की रोकथाम हेतु अति लाभकारी है। विभागाध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने बताया कि व्याख्यान की शुरुआत दीप प्रज्वलन व वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुई। व्याख्यान के उपरांत प्रायोगिक तौर पर साउंड बाथ तकनीक का प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम में विभाग के सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डॉ. कालिन्दी ने मुख्यवक्ता श्री मिखाइल का विस्तृत परिचय दिया। विभाग के डॉ. मनोज मलिक ने धन्यवाद प्रस्ताव किया। निहारिका सिंह रोजड़िया ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर मेडिकल संकायाध्यक्षा प्रो. नीरू वासुदेवा, डॉ. जसप्रीत कौर, डॉ. नवीन कौशिक, डॉ रामनिवास, प्रकाश व मानव कुमार, विभाग के शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

vivo Y20i

योग भारत की अमूल्य धरोहर : प्रो. कम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने कहा है कि योग भारत की अमूल्य धरोहर है, जिसने भारत को समूचे विश्व में गौरवान्वित किया है। भारतीय जीवन पद्धति विश्व की श्रेष्ठ जीवन पद्धति है। इसे अपनाकर मानव शारीरिक व मानसिक रूप से आजीवन स्वस्थ रह सकता है। प्रो. काम्बोज मंगलवार को आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर आरम्भ हुए 15 दिवसीय कोमन योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि योग एक पूर्ण विज्ञान है, एक पूर्ण जीवन शैली है, एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति है एवं एक पूर्ण अध्यात्म विद्या भी है। योग की लोकप्रियता का रहस्य यह है कि यह लिंग, जाति, वर्ग, संप्रदाय, क्षेत्र एवं भाषा भेद की संकीर्णताओं से कभी आबद्ध नहीं रहा है। साधक, चिंतक, वैरागी, अभ्यासी, ब्रह्मचारी, गृहस्थ कोई भी इसका सानिध्य प्राप्त कर लाभान्वित हो सकता है। व्यक्ति के निर्माण और उत्थान में ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व के बहुमुखी विकास में भी यह उपयोगी सिद्ध हुआ है।

इस उपलक्ष्य में विभाग में योगा की विभिन्न गतिविधियां करवाई गई। इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग, रंगोली मेकिंग व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

रंगोली बनाते हुए प्रतिभागी।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रवीण पाठक ने पहला, अन्नु बाला ने दूसरा तथा प्रवीण भार्गव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रवीण पाठक व अन्नु बाला ने पहला, शीतल, मोनिका रावा, मोनिका व रवीना ने दूसरा स्थान तथा राहुल, प्रवीण, जैसिका व पूजा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पंकज, आकाश, सोमित दास व उर्मिता की टीम प्रथम स्थान पर रही। राहुल, मंजू, वजीर व सुनीता की टीम दूसरे तथा शीतल, मोनिका, अंशुका व प्रवीण की टीम तृतीय स्थान पर रही।

जीजेयू के छात्र प्रवीण पाठक ने जीता कांस्य पदक

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग के एमएससी योग साइंस एंड थेरेपी के विद्यार्थी प्रवीण कुमार पाठक ने गुजरात में चल रहे 36वें राष्ट्रीय खेलों की योगासन स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने इस उपलब्धि के लिए प्रवीण कुमार व विभाग को बधाई दी है। साथ ही योग के प्रति वैश्विक जागृति पैदा करने में भी भारत अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने बताया कि प्रवीण कुमार पाठक ने इन खेलों में भाग ले रही हरियाणा की 16 सदस्यीय टीम में आर्टिस्टिक सिंगल टीम में हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व किया और आर्टिस्टिक प्रतियोगिता में भाग लेते हुए योगासन खेल में हरियाणा की झोली में पहला पदक डालकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले भी प्रवीण व योग के अन्य विद्यार्थियों ने समय समय पर राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर योग खेल में विश्वविद्यालय व राज्य का नाम रोशन किया है। प्रवीण ने इसका श्रेय विभाग के प्रोफेसर व अपने गुरुजनों को दिया है। संवाद

प्रवीण कुमार।

GURU JAMBHESHWAR UNIVERSITY OF
SCIENCE AND TECHNOLOGY, HISAR
Celebrates
9th INTERNATIONAL DAY OF YOGA
21th June,2023
Venue: Fragrance Garden
G20
Vasudhaiva Kutumbakam
Ghar Aangan Yoga" a reality
artment of Physiotherapy

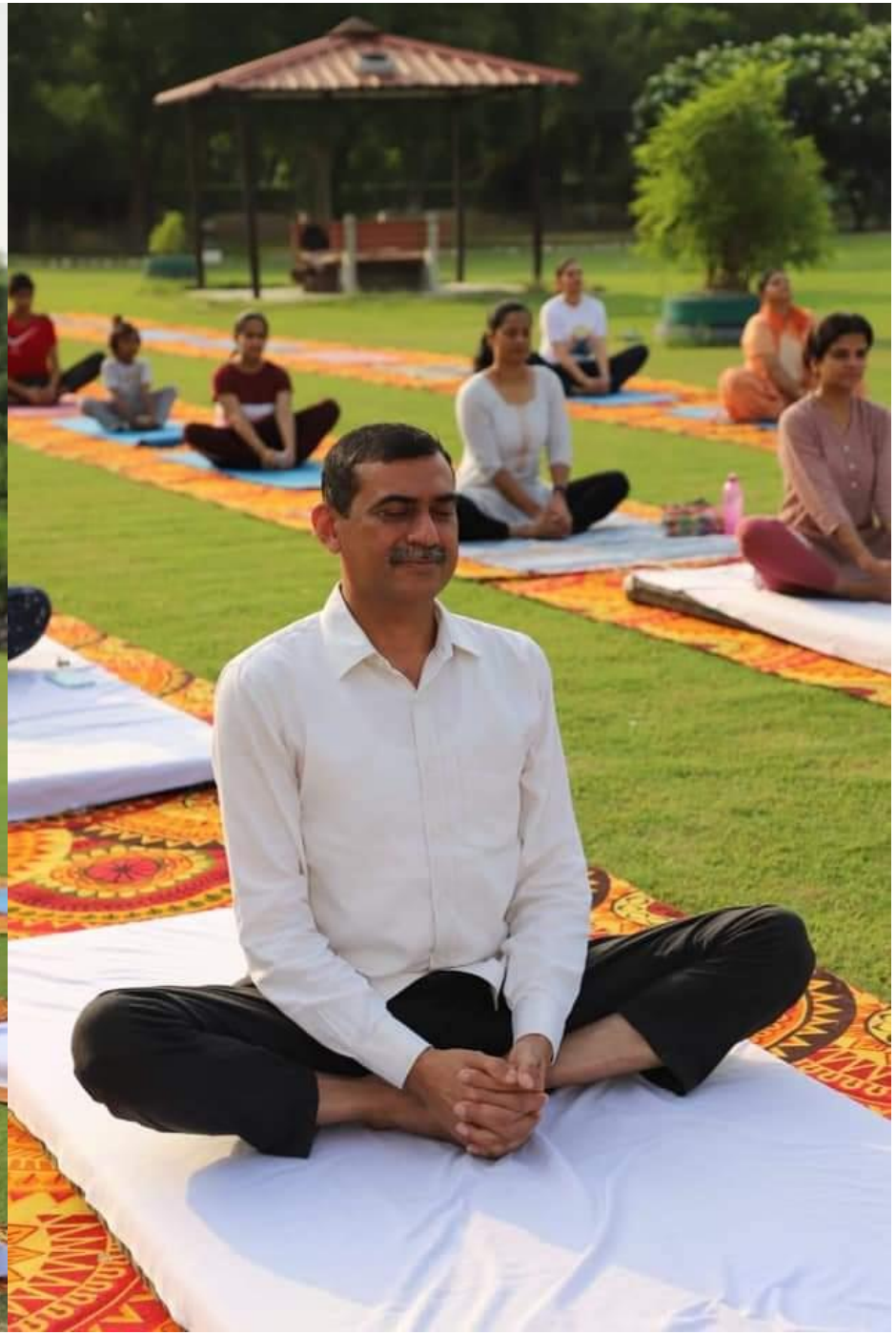

DAY OF YOGA
of Physiotherapy

जीजेयू के लड़कों के छात्रावास नम्बर-4 में विद्यार्थियों के लिए योगा कक्षाएं शुरू

भास्कर न्यूज|हिसार

जीजेयू के लड़कों के छात्रावास नम्बर-4 में विद्यार्थियों के लिए योगा कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रोफेसर एवं डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार ने इन कक्षाओं का शुभारंभ किया। प्रो. संजीव कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग को दिनचर्या में अपनाना चाहिए। वर्तमान की भागदौड़ की दिनचर्या में बीमारियां बढ़ती जा रही है। योग में भाग लेने से बीमारियों से निजात पाई जा सकती है। योग से मन की शांति होती है और तनाव मुक्त जीवन व स्वास्थ्य लाभ मिलता है। इससे शरीर की थकान दूर होती है तथा वजन पर भी नियंत्रण पाया जा सकता है। कार्यक्रम में चीफ वार्डन प्रो. ओमप्रकाश सांगवान, वार्डन डॉ. मनोज यादव, डॉ. विक्रमजीत सिंह व डॉ. सार्दुल सिंह सहित छात्रावास के निवासी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के योग विभाग के योगाचार्य प्रकाश ने विद्यार्थियों को योग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।

गुजवि में योग कक्षा का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के लड़कों के छात्रावास नम्बर-4 में विद्यार्थियों के लिए योगा कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रोफेसर एवं डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार ने इन कक्षाओं का शुभारंभ किया। प्रो. संजीव कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग को दिनचर्या में अपनाना चाहिए। वर्तमान की भागदौड़ की दिनचर्या में बीमारियां बढ़ती जा रही है। योग में भाग लेने से बीमारियों से निजात पाई जा सकती है।

कार्यक्रम में चीफ वार्डन प्रो. ओमप्रकाश सांगवान, वार्डन डॉ. मनोज यादव, डॉ. विक्रमजीत सिंह व डॉ. सार्दुल सिंह सहित छात्रावास के निवासी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के योग विभाग के योगाचार्य प्रकाश ने विद्यार्थियों को योग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।

जीजेयू के छात्रावास नंबर चार में योग कक्षाएं शुरू

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीजेयू) के लड़कों के छात्रावास नंबर-4 में विद्यार्थियों के लिए योगा कक्षाओं का शुभारंभ हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि योग को दिनचर्या में अपनाना चाहिए। वर्तमान की भागदौड़ की दिनचर्या में बीमारियां बढ़ती जा रही है। योग में भाग लेने से बीमारियों से निजात पाई जा सकती है। योग से मन की शांति होती है और तनाव मुक्त जीवन व स्वास्थ्य लाभ मिलता है। इस मौके पर चीफ वार्डन प्रो. ओमप्रकाश सांगवान, वार्डन डॉ. मनोज यादव, डॉ. विक्रमजीत सिंह, डॉ. सार्दुल सिंह मौजूद रहे। योगाचार्य प्रकाश ने विद्यार्थियों को योग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। ब्यूरो

जीजेयू में फिजियोथरेपी विभाग ने मनाया योग दिवस

जीजेयू में मे 9वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास करते हुए योग साधक। ● पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) में बुधवार को फिजियोथरेपी विभाग द्वारा मनाए जा रहे 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कुलपति के सलाहकार प्रो. संदीप राणा मुख्य अतिथि रहे। सलाहकार प्रो. संदीप राणा ने कहा कि योग केवल आसन व शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह केवल अष्टांग योग का एक अंग है। योग तनाव प्रबंधन में मदद करता है, दिमाग और शरीर को फिट रखता है। योग दिवस का थीम वसुधैव कुटुम्बकम और हर घर आंगन योग रहा। डीन फैकल्टी आफ मेडिकल साइंसेज प्रो. सुमित्रा सिंह विशिष्ठ अतिथि रही। इसका संचालन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. शबनम जोशी ने किया। प्रोटोकोल योग अभ्यास योगाचार्य डा. प्रकाश, डा. मानव व डा. नवीन कौशिक ने करवाया। विभागाध्यक्ष डा. शबनम जोशी ने कहा कि विश्वविद्यालय का फिजियोथेरेपी विभाग वर्तमान में पांच कोर्स संचालित कर रहा है, जिनमें बैचलर आफ फिजियोथेरेपी, मास्टर आफ फिजियोथेरेपी, पीएचडी फिजियोथेरेपी, पीजी डिप्लोमा इन योगा साइंस एंड थेरेपी और एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी विद्यार्थी शिक्षण व प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे हैं।

योग को दिनचर्या में अपनाना चाहिएः प्रो. संजीव कुमार

हिसार। योग कक्षाओं का शुभारंभ करते डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार।

■ छात्रावास नंबर-4 में विद्यार्थियों के लिए योगा कक्षाएं आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के लड़कों के छात्रावास नंबर-4 में विद्यार्थियों के लिए योगा कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रोफेसर एवं डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार ने इन कक्षाओं का शुभारंभ किया। प्रो. संजीव कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग को दिनचर्या में अपनाना चाहिए। वर्तमान की भागदौड़ की दिनचर्या में बीमारियां बढ़ती जा रही है। योग में भाग लेने से बीमारियों से निजात पाई जा सकती है। योग से मन की शांति होती है तथा तनाव मुक्त जीवन व स्वास्थ्य लाभ मिलता है। इससे शरीर की थकान दूर होती है तथा वजन पर भी नियंत्रण पाया जा सकता है।

कार्यक्रम में चीफ वार्डन प्रो. ओमप्रकाश सांगवान, वार्डन डॉ. मनोज यादव, डॉ. विक्रमजीत सिंह व डॉ. सार्दुल सिंह सहित छात्रावास के निवासी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के योग विभाग के योगाचार्य प्रकाश ने विद्यार्थियों को योग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।

योग भारत की संस्कृति ही नहीं जीवनशैली भी: कुलपति

हिसार | जीजेयू के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा दसवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। योग दिवस के उपलक्ष्य में 12 दिवसीय योग शिविर 10 जून से प्रारम्भ होने जा रहा है जिसके अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न योगिक गतिविधियां संचालित की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने वर्तमान समय में योग का महत्व बताते हुए कहा कि योग भारत की संस्कृति ही नहीं जीवनशैली भी है। योग भारतीय धर्म, दर्शन, अध्यात्म संस्कृति एवं सभ्यता का मूल तत्व है। योग एक पूर्ण विज्ञान है, एक पूर्ण जीवन शैली है, एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति है एवं एक पूर्ण अध्यात्म विद्या भी है। योग की लोकप्रियता का रहस्य यह है कि यह लिंग, जाति, वर्ग, संप्रदाय, क्षेत्र एवं भाषा भेद की संकीर्णताओं से कभी आबद्ध नहीं रहा है।

देश में सदियों से योग: प्रो. छोकर

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग में दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर में प्रतिदिन 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न योगिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि विश्वविद्यालय के तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह, विभागाध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर, आयुष विभाग हिसार से एएमओ डॉक्टर मोनिका बांगा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में आयुष विभाग की सहभागिता भी रही। मुख्यातिथि कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने कहा कि भारत में योग सदियों से किया जा रहा है लेकिन इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरूआत सबसे पहले वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। 21 जून को योग दिवस मनाए जाने का सबसे बड़ा कारण यह था कि इस दिन पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है। जिसे भारत के कुछ स्थानों पर 'ग्रीष्म संक्रांति' का दिन कहकर भी बुलाया जाता है। प्रो. विनोद छोकर ने कहा कि योग के निरंतर अभ्यास से मनुष्य को कई दूरगामी परिणाम मिलते हैं।

हिसार। योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर में भाग लेते मुख्यातिथि कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर व अन्य।

हर क्षेत्र में योग प्रभावी

विशिष्ट अतिथि प्रो. संदीप राणा ने योग के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए योग साधना को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि योग मनुष्य के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। योग के निरंतर अभ्यास से शारीरिक बीमारियों के अलावा मानसिक समस्याओं से भी निजात पाई जा सकती है।

जीजेयू में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर की शुरू

हिसार | गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर का शुभारंभ किया गया। इसमें रोज 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न योगिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

विवि के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह, विभागाध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर, आयुष विभाग हिसार से एएमओ डॉ. मोनिका बंगा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में आयुष विभाग हिसार की सहभागिता भी रही।

कुलसचिव डॉ. विनोद छोकर ने कहा कि 21 जून को योग दिवस मनाए जाने का सबसे बड़ा कारण यह था कि इस दिन पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास प्रशिक्षण व योग शिविर का शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में प्रतिदिन 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न योगिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह, विभागाध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर, आयुष विभाग हिसार से एएमओ डॉ मोनिका बंगा उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि ने सभी उपस्थित योग प्रशिक्षकों व प्रतिभागियों को

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए योग को जीवन का सार बताया। 21 जून को योग दिवस मनाये जाने का सबसे बड़ा कारण यह था कि इस दिन पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है। जिसे भारत के कुछ स्थानों पर ग्रीष्म संक्रांति का दिन कहकर भी बुलाया जाता है।

प्रो. छोकर ने कहा कि योग के निरंतर अभ्यास से मनुष्य को कई दूरगामी परिणाम मिलते हैं। जिसके माध्यम से शारीरिक शक्ति और शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही समग्र स्वास्थ्य को भी बढ़ावा मिलता है। योग के माध्यम से मनुष्य ध्यान साधना में भी लीन रह सकता है, जिससे मानसिक शांति का भी आभास होता है। योग को मनुष्य के मानसिक तनाव को दूर करने में भी सबसे उपयुक्त माना जाता है, इसके साथ ही यह मनुष्य को जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करने भी यह मददगार हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. संदीप राणा ने योग के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए योग साधना को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी बताया।

गुजविप्रौवि में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर का शुभारंभ

चिराग टाइम्स न्यूज

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के फिजियोथेरेपी विभाग में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में प्रतिदिन 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न योगिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह, विभागाध्यक्ष प्रो. जसप्रीत कौर, आयुष विभाग हिसार से एएमओ डॉक्टर मोनिका बंगा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में आयुष विभाग हिसार की सहभागिता भी रही।

मुख्यातिथि कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने सभी उपस्थित योग प्रशिक्षकों व प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत सबसे पहले वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने की थी। प्रो. विनोद छोकर ने कहा कि योग के निरंतर अभ्यास से मनुष्य को कई दूरगामी परिणाम मिलते हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. संदीप राणा ने योग के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए योग साधना को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि योग मनुष्य के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। योग के निरंतर अभ्यास से शारीरिक बीमारियों के अलावा मानसिक समस्याओं से भी निजात पाई जा सकती है। चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भारत की उस प्राचीन योग पद्धति का प्रतीक है, ज्ञान योग के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति राजयोग योग दिवस की थीम %महिला सशक्तिकरण के लिए योग% विषय पर अपने वक्तव्य में कहा कि दसवें सशक्त महिलाएं नेताओं, शिक्षकों और परिवर्तन की भूमिकाएँ निभाती हैं, समाज में समावेशिता, विविधता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देती हैं।

विभागाध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर ने अपने स्वागत सम्बोधन में कहा कि आधुनिक मानव समाज जिस तनाव, अशांति, अभाव एवं अज्ञान का शिकार है, उसका समाधान केवल योग में ही सन्निहित है। योग मनुष्य को सकारात्मक चिंतन के प्रशस्त पथ पर लाने की एक अद्भुत विद्या है, उन्होंने बताया कि इसी सत्र से इंटेग्रेटिड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)-एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी पंचवर्षीय सेमेस्टर

हिसार। मंच पर उपस्थित भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के राज्य प्रभारी, श्री ईश कुमार आर्य, कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई एवं अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह।

तनाव मुक्ति में योगाभ्यास अत्यंत मददगार: नरसीराम

- योग दिवस के उपलक्ष्य में पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र ने की विचार गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में करो योग रहो निरोग विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, हरियाणा, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार से राज्य प्रभारी ईश कुमार आर्य प्रस्तोता के तौर पर उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि योगाभ्यास तनाव से मुक्ति प्रसन्नता एवं सामंजस्य का अनुभव कर सके। योग मन को शांति प्रदान करता है जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक, आध्यात्मिक व सामाजिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। प्रस्तोता ईश कुमार आर्य ने आठ प्राणायाम के बारे में बताया और कहा कि हमें योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हम स्वस्थ रह सकें। योग स्वस्थ जीवन की कला व

योग को अपनाएं

पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, हिसार के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में 12 दिवसीय योग शिविर शुरू

जागरण संवाददाता • हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग में 10वें अंतर राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में प्रतिदिन 21 जून अंतर राष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न यौगिक गतिविधियां संचालित की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि रहे। विश्वविद्यालय के तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह, विभागाध्यक्ष प्रो. जसप्रीत कौर, आयुष विभाग से एएमओ डा. मोनिका बांगा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में आयुष विभाग हिसार की सहभागिता भी रही।

मुख्यातिथि प्रो. विनोद छोकर ने सभी उपस्थित योग प्रशिक्षकों व प्रतिभागियों को अंतर राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए योग को जीवन का सार बताया। उन्होंने कहा कि भारत में योग सदियों से किया जा रहा है, लेकिन इसे अंतर राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरुआत सबसे पहले वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। 21 जून को योग दिवस मनाए जाने का सबसे बड़ा कारण यह था कि इस दिन पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है। जिसे भारत के कुछ स्थानों पर 'ग्रीष्म संक्रांति' का दिन कहकर भी बुलाया जाता है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. संदीप राणा ने योग के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए योग साधना को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि योग मनुष्य के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भारत की उस प्राचीन योग पद्धति का प्रतीक है। इस अवसर पर डा. मनोज मालिक, डा. मीनाक्षी भाटिया, डा. नवीन कौशिक, निहारिका सिंह रोजडिया, डा. रेखा चतुर्वेदी, डा. अलका पावलिया, डा. चारू सहित अन्य उपस्थित रहे।

जीजेयू में योग शिविर में भाग लेते मुख्यातिथि कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर। • पीआरओ

हमें योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए : ईश कुमार

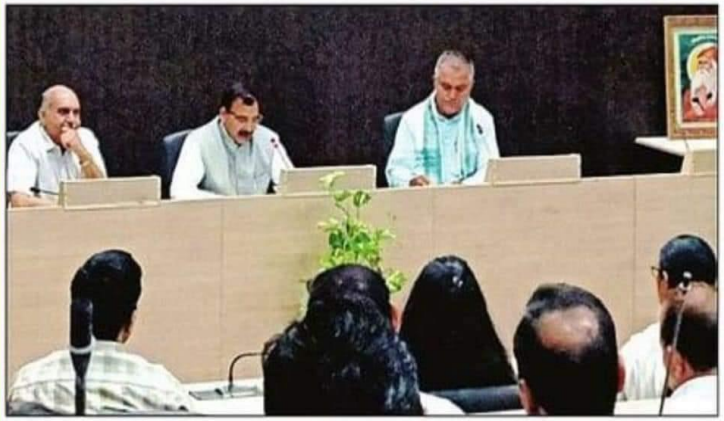

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में उपस्थित भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के राज्य प्रभारी ईश कुमार आर्य, जीजेयू के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई एवं अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह। स्रोत : संस्थान।

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) में पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में करो योग रहो निरोग विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, हरियाणा, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार से राज्य प्रभारी ईश कुमार आर्य, प्रस्तोता के तौर पर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जीजेयू के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने की। ईश कुमार आर्य ने आठ प्राणायाम के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि हमें योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि हम स्वस्थ रह सके। योग स्वस्थ जीवन की कला व विज्ञान है। योग भारत के ऋषि- मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल उपहार है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि योगाभ्यास तनाव से मुक्ति पाने और मन को प्रसन्न व शांत रखने में अत्यंत मददगार है। रोग से निरोग होने का मार्ग योग है। वहीं पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष डॉ. जगबीर सिंह ने कहा कि योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है।

योग पूर्ण चिकित्सा पद्धति एवं एक पूर्ण अध्यात्म विद्या : प्रो. बिश्नोई

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग के तत्वावधान में विगत वर्षों की भांति दसवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। योग दिवस के उपलक्ष्य में 12 दिवसीय योग शिविर आगामी 10 जून से प्रारम्भ होने जा रहा है जिसके अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न योगिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने वर्तमान समय में योग का महत्व बताते हुए कहा कि योग भारत की संस्कृति ही नहीं जीवनशैली भी है। योग भारतीय धर्म, दर्शन, अध्यात्म संस्कृति एवं सभ्यता का मूल तत्व है। योग एक पूर्ण विज्ञान है, एक पूर्ण जीवन शैली है, एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति है एवं एक पूर्ण अध्यात्म विद्या भी है। योग की लोकप्रियता का रहस्य यह है कि यह लिंग, जाति, वर्ग, संप्रदाय, क्षेत्र एवं भाषा भेद की संकीर्णताओं से कभी आबद्ध नहीं रहा है। साधक चिंतक, वैरागी, अभ्यासी ब्रह्मचारी, गृहस्थ कोई भी इसका सानिध्य प्राप्त कर लाभान्वित हो सकता है। व्यक्ति निर्माण और उत्थान में ही नहीं, बल्कि परिवार समाज, राष्ट्र और विश्व के बहुमुखी विकास में भी यह उपयोगी सिद्ध हुआ है।

प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, गुजवि।

गुजवि शुरू कर रहा 5 वर्षीय एमएससी योगा साइंस एंड थैरेपी कोर्स

विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार इंटेग्रेटिड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)-एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी पंचवर्षीय सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम प्रारंभ होने जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत 12वीं पास विद्यार्थियों के लिए योग के क्षेत्र में भविष्य बनाने का सुनहरा अवसर है। 2018 में योग विज्ञान एवं चिकित्सा विषय में स्नातकोत्तर डिप्लोमा का पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया था, जिसके अंतर्गत 30 सीट निर्धारित की गई थी। इसके अतिरिक्त 2019 में स्नातकोत्तर एमएससी योग विज्ञान एवं चिकित्सा प्रारंभ किया गया था, जिसमें प्रतिवर्ष 40 सीट सुनिश्चित की गई थी। योग दिवस के उपलक्ष्य में योग शिविर आगामी 10 जून से प्रारम्भ होने जा रहा है, जिसमें ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागी भाग लेकर शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

करो योग रहो निरोग विषय पर जीजेयू में गोष्ठी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केंद्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में करो योग रहो निरोग विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, हरियाणा, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार से राज्य प्रभारी ईश कुमार आर्य, प्रस्तोता के तौर पर उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जीजेयू के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने की।

प्रस्तोता ईश कुमार आर्य ने आठ प्राणायाम के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि हमें योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हम स्वस्थ रह सकें। योग स्वस्थ जीवन की कला व विज्ञान है। योग भारत के ऋषि-मुनियों द्वारा विश्व को दिया गया एक अनमोल उपहार है। योग प्रात: काल में की जाने वाली क्रिया मात्र नहीं बल्कि यह रोजमर्रा के कार्यों को कुशलतापूर्वक और पूरी सतर्कता के साथ करने की शक्ति भी है। योग हमें अपने परिवार, समाज और समस्त संसार के साथ एक सूत्र में जुड़े होने की अनुभूति देता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि योगाभ्यास तनाव से मुक्ति पाने और मन को प्रसन्न व शांत रखने में अत्यंत मददगार है। रोग से निरोग होने का मार्ग योग है। पंचनद शोध संस्थान, अध्ययन केंद्र, हिसार के अध्यक्ष डा. जगबीर सिंह ने कहा कि योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना या मिलना है।

OPPO

गुजवि ने जीती अंतर्विश्वविद्यालय योग प्रतियोगिता

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय की पुरुष वर्ग की योगा टीम ने अंतर्विश्वविद्यालय योग चैम्पियनशिप की इवेंट की चैम्पियनशिप जीती है तथा व्यक्तिगत स्पर्धा में भी विश्वविद्यालय के खिलाड़ी चेतन ने कांस्य पदक जीता है। यह चैम्पियनशिप भुवनेश्वर, उड़ीसा के कीट विश्वविद्यालय में 21 से 27 दिसम्बर तक हुई। मंगलवार को विजेता टीम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई से मिली।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विजेता टीम को बधाई दी तथा कहा कि खिलाड़ियों ने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने भी विजेता टीम को बधाई दी।

गुजवि में विजेता टीम को बधाई देते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

खेल निदेशालय के डीन प्रो. दलबीर सिंह व खेल निदेशक डा. शशि भूषण लुथरा ने बताया कि योगा टीम में अमित बिश्नोई, चेतन, राजकुमार वर्मा, सलिल वर्मा, दीपक श्योराण व मोहित सैनी शामिल रहे। वहीं, दूसरी ओर पुरुष वर्ग की योग टीम ने नॉर्थ-ईस्ट जोन में भी सिल्वर मेडल जीता व महिला टीम ने अंतर्विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। इस उपलब्धि के साथ-साथ टीम ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भी अपना स्थान बना लिया है। अब इन्हीं खिलाड़ियों का दल खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा। इस अवसर पर डीन अकैडमिक कौलेजिज प्रो. संजीव कुमार, योग प्रशिक्षक बसंत कुमार व टीम मैनेजर अंशुका बिश्नोई उपस्थित रहे।

योग से निरोग रहने का संदेश

जीजेयू में आयोजित युवा महोत्सव के दूसरे दिन थिएटर, डांस व गायन की प्रस्तुतियां हुईं। हिंदी स्किट में विद्यार्थियों ने समाज में फैली कुरीतियों पर कटाक्ष किया। वहीं छात्रा ने योग से निरोग रहने का संदेश दिया। - विस्तृत खबर-04

PhotoGrid

जीजेयू के छात्र प्रवीण पाठक ने जीता कांस्य पदक

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग के एमएससी योग साइंस एंड थेरेपी के विद्यार्थी प्रवीण कुमार पाठक ने गुजरात में चल रहे 36वें राष्ट्रीय खेलों की योगासन स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने इस उपलब्धि के लिए प्रवीण कुमार व विभाग को बधाई दी है। साथ ही योग के प्रति वैश्विक जागृति पैदा करने में भी भारत अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने बताया कि प्रवीण कुमार पाठक ने इन खेलों में भाग ले रही हरियाणा की 16 सदस्यीय टीम में आर्टिस्टिक सिंगल टीम में हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व किया और आर्टिस्टिक प्रतियोगिता में भाग लेते हुए योगासन खेल में हरियाणा की झोली में पहला पदक डालकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले भी प्रवीण व योग के अन्य विद्यार्थियों ने समय समय पर राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर योग खेल में विश्वविद्यालय व राज्य का नाम रोशन किया है। प्रवीण ने इसका श्रेय विभाग के प्रोफेसर व अपने गुरुजनों को दिया है। संवाद

प्रवीण कुमार।

जीजेयू में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर की शुरू

हिसार | गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर का शुभारंभ किया गया। इसमें रोज 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न योगिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

विवि के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। राणा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह, विभागाध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर, आयुष विभाग हिसार से एएमओ डॉ. मोनिका बंगा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में आयुष विभाग हिसार की सहभागिता भी रही।

कुलसचिव डॉ. विनोद छोकर ने कहा कि 21 जून को योग दिवस मनाए जाने का सबसे बड़ा कारण यह था कि इस दिन पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में 12 दिवसीय योग शिविर शुरू

जागरण संवाददाता • हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग में 10वें अंतर राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में प्रतिदिन 21 जून अंतर राष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न यौगिक गतिविधियां संचालित की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि रहे। विश्वविद्यालय के तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह, विभागाध्यक्ष प्रो. जसप्रीत कौर, आयुष विभाग से एएमओ डा. मोनिका बांगा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में आयुष विभाग हिसार की सहभागिता भी रही।

मुख्यातिथि प्रो. विनोद छोकर ने सभी उपस्थित योग प्रशिक्षकों व प्रतिभागियों को अंतर राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए योग को जीवन का सार बताया। उन्होंने कहा कि भारत में योग सदियों से किया जा रहा है, लेकिन इसे अंतर राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरुआत सबसे पहले वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। 21 जून को योग दिवस मनाए जाने का सबसे बड़ा कारण यह था कि इस दिन पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है। जिसे भारत के कुछ स्थानों पर 'ग्रीष्म संक्रांति' का दिन कहकर भी बुलाया जाता है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. संदीप राणा ने योग के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए योग साधना को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि योग मनुष्य के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भारत की उस प्राचीन योग पद्धति का प्रतीक है। इस अवसर पर डा. मनोज मालिक, डा. मीनाक्षी भाटिया, डा. नवीन कौशिक, निहारिका सिंह रोजडिया, डा. रेखा चतुर्वेदी, डा. अलका पावलिया, डा. चारू सहित अन्य उपस्थित रहे।

जीजेयू में योग शिविर में भाग लेते मुख्यातिथि कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर। • पीआरओ

गुजवि का फिजियोथरेपी विभाग कल मनाएगा 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथरेपी विभाग द्वारा 21 जून को 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रो. नरसी राम बिश्नोई के सलाहकार प्रो. संदीप राणा बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहेंगे। डीन फैल्कटी ऑफ मेडिकल साइंसिज प्रो. सुमित्रा सिंह विशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। विभाग की विभागाध्यक्ष डा. शबनम जोशी ने बताया कि विभाग द्वारा योग को बढ़ावा देने तथा रोजगारपरक बनाने के लिए शैक्षणिक कोर्स भी चलाए जा रहे हैं। विभाग द्वारा योग विषय में एक वर्ष का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा साइंस एंड थेरेपी तथा दो वर्ष की पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री एमएससी इन योगा साइंस एंड थेरेपी कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शरीर रचना व क्रिया विज्ञान, स्वस्थवृत्त, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा व जैव सांख्यिकी, अनुसंधान क्रियाविधि, योग की शिक्षण विधियां व मूल्य शिक्षा, योगिक परामर्श आदि विषयों की शिक्षा भी प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में सामान्य रोगों के लिए योग चिकित्सा व अन्य भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के विषय में अवगत कराया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास प्रशिक्षण व योग शिविर का शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में प्रतिदिन 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न योगिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह, विभागाध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर, आयुष विभाग हिसार से एएमओ डॉ मोनिका बंगा उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि ने सभी उपस्थित योग प्रशिक्षकों व प्रतिभागियों को

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए योग को जीवन का सार बताया। 21 जून को योग दिवस मनाये जाने का सबसे बड़ा कारण यह था कि इस दिन पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है। जिसे भारत के कुछ स्थानों पर ग्रीष्म संक्रांति का दिन कहकर भी बुलाया जाता है।

प्रो. छोकर ने कहा कि योग के निरंतर अभ्यास से मनुष्य को कई दूरगामी परिणाम मिलते हैं। जिसके माध्यम से शारीरिक शक्ति और शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही समग्र स्वास्थ्य को भी बढ़ावा मिलता है। योग के माध्यम से मनुष्य ध्यान साधना में भी लीन रह सकता है, जिससे मानसिक शांति का भी आभास होता है। योग को मनुष्य के मानसिक तनाव को दूर करने में भी सबसे उपयुक्त माना जाता है, इसके साथ ही यह मनुष्य को जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करने भी यह मददगार हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. संदीप राणा ने योग के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए योग साधना को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी बताया।

जीजेयू में योग विज्ञान विभाग की स्थापना, इंटेग्रेटिड बीएससी ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च कोर्स शुरू

हिसार | जीजेयू में योग विज्ञान विभाग की स्थापना की गई। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि भागदौड़ व तनावपूर्ण दुनिया में शांति के पल पाना एक मायावी खोज की तरह लग सकता है। योग हमारे जीवन में तनाव कम कर सकता है।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में योग के पाठ्यक्रम फिजियोथेरेपी विभाग में 2018 से चलाए जा रहे थे। वर्तमान में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योग साइंस एंड थेरेपी एवं 2019 में एमएससी योग साइंस एंड थेरेपी पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई। इस वर्ष से इंटेग्रेटिड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)-एमएससी इन योग साइंस एंड थेरेपी पंचवर्षीय सेमेस्टर सिस्टम में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार इंटेग्रेटिड बीएससी योग विज्ञान एवं चिकित्सा पंचवर्षीय सेमेस्टर प्रणाली का पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुआ है। मगर अब ये समस्त योग के पाठ्यक्रम योग विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किए जाएंगे।

फिजियोथेरेपी विभाग की प्रो. शबनम जोशी को योग विज्ञान विभाग की प्रथम अध्यक्षा के रूप में कार्यभार सौंपा गया। इस अवसर पर फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर, मौजूद थे।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हुई योग विज्ञान विभाग की स्थापना

योग भारत में उत्पन्न एक प्राचीन विज्ञान है, जो दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए आशा और समय कल्याण की किरण बनकर उभरी है : प्रो. नरसी राम बिश्नोई

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 14 अक्टूबर : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में योग विज्ञान विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण दुनिया में आंतरिक शांति के पल पाना एक मायावी खोज की तरह लग सकता है। रोजमर्रा की भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच एक ऐसी कला को शामिल करना जो शरीर और मन दोनों को पोषित करे, सर्वोपरी हो जाता है। योग भारत में उत्पन्न एक प्राचीन विज्ञान है, जो दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए आशा और समय कल्याण की किरण बनकर उभरी है। शारीरिक व्यायाम से परे, योग एक

ऐसी जीवन शैली है जो हमारे अस्तित्व के हर पहलू को छूती है। हम अपने दैनिक जीवन में योग द्वारा हमारे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को सकारात्मक रूप से परिवर्तित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में योग के पाठ्यक्रम फिजियोथेरेपी विभाग के अंतर्गत 2018 से चलाए जा रहे थे, जिसमें 2018 में योग पाठ्यक्रम की शुरुआत फिजियोथेरेपी विभाग के अंतर्गत की गई। जिसके अंतर्गत वर्तमान में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा साइंस एंड थेरेपी एवं 2019 में एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी पाठ्यक्रम की शुरूआत की गई। इस वर्ष से इंटेग्रेटिड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)-एमएससी इन योगा साइंस एंड थेरेपी (पंचवर्षीय सेमेस्टर सिस्टम) में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार इंटेग्रेटिड बीएससी योग विज्ञान एवं चिकित्सा (पंचवर्षीय सेमेस्टर प्रणाली) का पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुआ है। लेकिन अब ये समस्त योग के पाठ्यक्रम योग विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किए जाएंगे। फिजियोथेरेपी विभाग की प्रो. शबनम जोशी को योग विज्ञान विभाग की प्रथम अध्यक्षा के रूप में कुलपति महोदय द्वारा विभाग की अध्यक्षा का कार्यभार सौंपा गया। इस अवसर पर योग विभान विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी व फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर सहित योग विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापकों डा. नवीन कौशिक, निहारिका सिंह रोजरिया, प्रकाश एवं मानव कुमार ने विश्वविद्यालय के कुलपति महोदया का धन्यवाद ज्ञापन किया।

जीजेयू में योग विज्ञान विभाग की स्थापना, इंटेग्रेटिड बीएससी ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च कोर्स शुरू

हिसार | जीजेयू में योग विज्ञान विभाग की स्थापना की गई। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि भागदौड़ व तनावपूर्ण दुनिया में शांति के पल पाना एक मायावी खोज की तरह लग सकता है। योग हमारे जीवन में तनाव कम कर सकता है।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में योग के पाठ्यक्रम फिजियोथेपेरी विभाग में 2018 से चलाए जा रहे थे। वर्तमान में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योग साइंस एंड थेरेपी एवं 2019 में एमएससी योग साइंस एंड थेरेपी पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई। इस वर्ष से इंटेग्रेटिड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)-एमएससी इन योग साइंस एंड थेरेपी पंचवर्षीय सेमेस्टर सिस्टम में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार इंटेग्रेटिड बीएससी योग विज्ञान एवं चिकित्सा पंचवर्षीय सेमेस्टर प्रणाली का पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुआ है। मगर अब ये समस्त योग के पाठ्यक्रम योग विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किए जाएंगे।

फिजियोथेरेपी विभाग की प्रो. शबनम जोशी को योग विज्ञान विभाग की प्रथम अध्यक्षा के रूप में कार्यभार सौंपा गया। इस अवसर पर फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर, मौजूद थे।

भागदौड़ भरी व तनावपूर्ण दुनिया में आंतरिक शांति के पल पाना एक मायावी खोज की तरह : वीसी

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में योग विज्ञान विभाग की स्थापना

डॉ. शबनम जोशी बनी पहली विभागाध्यक्ष

हिसार। योग विज्ञान विभाग की नवनियुक्त विभागाध्यक्ष प्रो. शबनम जोशी को शुभकामनाएं देते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई। फोटो : हरिभूमि

के हर पहलू को छूती है। हम अपने दैनिक जीवन में योग द्वारा हमारे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को सकारात्मक रूप से परिवर्तित किया जा सकता है। योग के इस समसामयिक महत्व को देखते हुए हमने योग विज्ञान विभाग की स्थापना की है। जो विश्वविद्यालय व प्रदेश में योग शिक्षा के प्रचार-प्रसार में अपना अमूल्य योगदान देने का कार्य करेगा।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में योग के पाठ्यक्रम फिजियोथेपेरी विभाग के तहत 2018 से चलाए जा रहे थे, जिसमें 2018 में योग पाठ्यक्रम की शुरुआत फिजियोथेरेपी विभाग के अंतर्गत की गई जिसके तहत वर्तमान में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा साइंस एंड थेरेपी एवं 2019 में एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी पाठ्यक्रम की शुरूआत की गई। फिजियोथेरेपी विभाग की प्रो. शबनम जोशी को योग विज्ञान विभाग की प्रथम अध्यक्षा के रूप में कुलपति द्वारा विभाग की अध्यक्षा का कार्यभार सौंपा गया।

नवनियुक्त विभागाध्यक्ष प्रो. शबनम जोशी ने कहा कि हम इस नव स्थापित विभाग द्वारा आने वाले समय में यथा समय यथासंभव विभिन्न योग द्वारा समाज व स्वास्थ्य संरक्षण व संवर्धन के लिए अनेक गतिविधियों का संचालन कर योग विभान विभाग की पहचान विश्वविद्यालय व प्रदेशभर में बनाने का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर योग विभान विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी व फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर सहित योग विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापकों डा. नवीन कौशिक, निहारिका सिंह रोजरिया, प्रकाश एवं मानव कुमार ने विश्वविद्यालय के कुलपति का धन्यवाद ज्ञापन किया।

विश्वविद्यालय के लिए विद्यार्थियों के हित सबसे अधिक महत्वपूर्ण : नरसी राम बिश्नोई

- कुलपति ने किया विभिन्न विभागों में विद्यार्थियों व शिक्षकों से सीधा संवाद

हिसार। विद्यार्थियों से सीधा संवाद करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में विद्यार्थियों व शिक्षकों से सीधा संवाद किया। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने सोमवार को इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग, साइकोलॉजी, जूलोजी, अलाइड हैल्थ साइंसिज, प्रिंटिंग तथा जनसंचार विभाग का दौरा किया। कुलपति ने इन विभागों में कक्षाओं, प्रयोगशालाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं की विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों से जानकारी ली। साथ ही उन्होंने उचित निर्देश भी दिए। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कक्षा कमरों में विद्यार्थियों के बीच बैठकर कक्षा संचालन का निरीक्षण भी किया। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय के लिए विद्यार्थी प्रथम हितधारक हैं। विद्यार्थियों की भलाई के लिए विश्वविद्यालय हर उचित कदम उठा रहा है। इस अवसर पर डीन एकाईटी प्रो. संदीप आर्य, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. ओमप्रकाश सांगवान, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा प्रो. सुमन दहिया सहित अन्य संबंधित विभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

योग में जीजेयू के यूटीडी की टीम बनी विजेता

विजेता टीम के साथ विभागाध्यक्ष प्रो. शबनम जोशी एवं विभाग के शिक्षक। स्रोत :आयोजक

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। फतेहचंद महिला महाविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज योग प्रतियोगिता में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की यूटीडी की (पुरुष वर्ग व महिला वर्ग) टीम प्रथम रही।

महिला वर्ग में यूटीडी प्रथम, एफसी कॉलेज की टीम द्वितीय, हांसी के एसडी कॉलेज की टीम तृतीय रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम विश्नोई ने विजेताओं को सम्मानित किया।

योग विज्ञान विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता में चार टीमों और एकल वर्ग में 13 लड़कों व 18 लड़कियों ने भाग लिया। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले आठ खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

विजेता टीम में योग विज्ञान विभाग से स्नेहलता, इंटेग्रेटेड बीएससी योग साइंस एंड थेरेपी की रीटा देवी, सौम्या ओझा, प्रीति चौहान, प्रीति, तनीषा और बीएससी साइकोलॉजी की नैंसी प्रतिभागी रहीं। रीटा और नैंसी का ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में चयन हुआ है।

गुजवि में की योग विज्ञान विभाग की स्थापना

नभ-छोर न्यूज ⏭ 14 अक्टूबर

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में योग विज्ञान विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण दुनिया में आंतरिक शांति के पल पाना एक मायावी खोज की तरह लग सकता है। रोजमर्रा की भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच एक ऐसी कला को शामिल करना जो शरीर और मन दोनों को पोषित करे, सर्वोपरी हो जाता है। योग भारत में उत्पन्न एक प्राचीन विज्ञान है, जो दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए आशा और समय कल्याण की किरण बनकर उभरी है। शारीरिक व्यायाम से परे, योग एक ऐसी जीवन शैली है जो

हमारे अस्तित्व के हर पहलू को छूती है। हम अपने दैनिक जीवन में योग द्वारा हमारे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को सकारात्मक रूप से परिवर्तित किया जा सकता है। योग के इस समसामयिक महत्व को देखते हुए हमने योग विज्ञान विभाग की स्थापना की है। जो विश्वविद्यालय व प्रदेश में योग शिक्षा के प्रचार-प्रसार में अपना अमूल्य योगदान देने का कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में योग के पाठ्यक्रम फिजियोथेपेरी विभाग के अंतर्गत 2018 से चलाए जा रहे थे, जिसमें 2018 में योग पाठ्यक्रम की शुरूआत फिजियोथेरेपी विभाग के अंतर्गत की गई। जिसके अंतर्गत वर्तमान में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा साइंस एंड थेरेपी एवं 2019 में एमएससी योगा साइंस एंड थेरेपी पाठ्यक्रम की शरूआत की गई। इस वर्ष से इंटेग्रेटिड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)-एमएससी इन योगा साइंस एंड थेरेपी (पंचवर्षीय सेमेस्टर सिस्टम) में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार इंटेग्रेटिड बीएससी योग विज्ञान एवं चिकित्सा (पंचवर्षीय सेमेस्टर प्रणाली) का पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुआ है। लेकिन अब ये समस्त योग के पाठ्यक्रम योग विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किए जाएंगे। फिजियोथेरेपी विभाग की प्रो. शबनम जोशी को योग विज्ञान विभाग की प्रथम अध्यक्षा के रूप में कुलपति द्वारा विभाग की अध्यक्षा का कार्यभार सौंपा गया।

गुजवि में योग विज्ञान विभाग की स्थापना

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में योग विज्ञान विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण दुनिया में आंतरिक शांति के पल पाना एक मायावी खोज की तरह लग सकता है। रोजमर्रा की भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच एक ऐसी कला को शामिल करना जो शरीर और मन दोनों को पोषित करे, सर्वोपरी हो जाता है। योग भारत में उत्पन्न एक प्राचीन विज्ञान है, जो दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए आशा और समय कल्याण की किरण बनकर उभरी है। शारीरिक व्यायाम से परे, योग एक ऐसी जीवन शैली है जो हमारे अस्तित्व के हर पहलू को छूती है। हम अपने दैनिक जीवन में योग द्वारा हमारे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को सकारात्मक रूप से परिवर्तित किया जा सकता है। योग के इस समसामयिक महत्व को देखते हुए हमने योग विज्ञान विभाग की स्थापना की है।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में योग के पाठ्यक्रम फिजियोथेरेपी विभाग के अंतर्गत 2018 से चलाए जा रहे थे, जिसमें 2018 में योग पाठ्यक्रम की शुरुआत फिजियोथेरेपी विभाग के अंतर्गत की गई। इस वर्ष से इंटेग्रेटिड बीएससी (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)-एमएससी इन योगा साइंस एंड थेरेपी (पंचवर्षीय सेमेस्टर सिस्टम) में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार इंटेग्रेटिड बीएससी योग विज्ञान एवं चिकित्सा (पंचवर्षीय सेमेस्टर प्रणाली) का पाठ्यक्रम प्रारम्भ हुआ है। लेकिन अब ये समस्त योग के पाठ्यक्रम योग विज्ञान विभाग द्वारा संचालित किए जाएंगे। फिजियोथेरेपी विभाग की प्रो. शबनम जोशी को योग विज्ञान विभाग की प्रथम अध्यक्षा के रूप में कार्यभार सौंपा गया।

योग विज्ञान विभाग की नवनियुक्त विभागाध्यक्ष प्रो. शबनम जोशी को शुभकामनाएं देते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

एकाग्र होकर अध्ययन करें विद्यार्थी : प्रो. बिश्नोई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में विद्यार्थियों व शिक्षकों से सीधा संवाद किया। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग, साइकोलॉजी, जूलोजी, अलाइड हैल्थ साइंसिज, प्रिंटिंग तथा जनसंचार विभाग का दौरा किया। कुलपति ने इन विभागों में कक्षाओं, प्रयोगशालाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं की विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों से जानकारी ली। साथ ही उन्होंने उचित दिशानिर्देश भी दिए। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कक्षा कमरों में विद्यार्थियों के बीच बैठकर कक्षा संचालन का निरीक्षण भी किया। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय के लिए विद्यार्थी प्रथम हितधारक है। विद्यार्थियों की भलाई के लिए विश्वविद्यालय को हर उचित कदम उठाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे एकाग्र होकर अध्ययन करें। शिक्षकों से अधिक से अधिक सीखने का प्रयास करें। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से कक्षाओं में आने के लिए भी कहा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध हैं। विद्यार्थी इनका भरपूर फायदा उठाएं।

फतेहचंद महिला महाविद्यालय में प्रतियोगिता का आयोजन

एयूटीडी की टीम पुरुष व महिला वर्ग में रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की यूटीडी (गुजवि) की टीम ने फतेहचंद महिला महाविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज योग प्रतियोगिता (पुरुष वर्ग व महिला वर्ग) में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में यूटीडी की प्रतिभागियों ने बेहतरीन प्रस्तुतियां दी।

महिला वर्ग की प्रतियोगिता में यूटीडी (गुजवि) टीम प्रथम, एफसी कॉलेज की टीम द्वितीय, हांसी के एसडी कॉलेज की टीम तृतीय स्थान पर रही। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने महिला वर्ग में यूटीडी गुजविप्रौवि की टीम के प्रथम आने पर समस्त विजेता व ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए चयनित प्रतिभागियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हिसार। गुजवि मे विजेता टीम के साथ विभागाध्यक्ष प्रो. शबनम जोशी एवं विभाग के शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

इंटर यूनिवर्सिटी के लिए टीम

योग विज्ञान विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में चार टीमों और एकल वर्ग में 13 लड़कों व 18 लड़कियों ने भाग लिया। महिला व पुरुष वर्ग के प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न विशिष्ट योगासनों का प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले आठ खिलाड़ियों का चयन किया गया है। विजेता टीम में योग विज्ञान विभाग से एमएससी योग साइंस एंड थेरेपी की छात्रा स्नेहलता, इंटेवोटिड बीएससी योग साइंस एंड थेरेपी की छात्राएं रीटा देवी, सौम्या ओझा, प्रीति चौहान, प्रीति, तनीषा एवं बीएससी साइकोलॉजी की छात्रा नेनसी प्रतिभागी रही। इनमें से ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए बीएससी योग साइंस एंड थेरेपी की छात्र रीटा देवी एवं बीएससी साइकोलॉजी की छात्रा नेंसी का चयन किया गया। इस प्रतियोगिता में योग विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक योगाचार्य प्रकाश कुलपति के मनोनीत सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर योग विज्ञान विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी व फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर सहित योग विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. नवीन कौशिक, निहारिका सिंह रोजरिया, प्रकाश एवं मानव कुमार आदि उपस्थित रहे।

इंटर कॉलेज योग प्रतियोगिता में गुजवि ने हासिल किया प्रथम स्थान

पांच बजे न्यूज

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार की यूटीडी (गुजविप्रौवि) की टीम ने फतेहचंद महिला महाविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज योग प्रतियोगिता (पुरुष वर्ग व महिला वर्ग) में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में यूटीडी की प्रतिभागियों ने बेहतरीन प्रस्तुतियां दी। महिला वर्ग की प्रतियोगिता में यूटीडी (गुजविप्रौवि) टीम प्रथम, एफसी कॉलेज की टीम द्वितीय, हांसी के एसडी कॉलेज की टीम तृतीय स्थान पर रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने महिला वर्ग में यूटीडी गुजविप्रौवि की टीम के प्रथम आने पर समस्त विजेता व ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता हेतु चयनित प्रतिभागियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

योग विज्ञान विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में चार टीमों और एकल वर्ग में 13 लड़कों व 18 लड़कियों ने भाग लिया। महिला व पुरुष वर्ग के प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न विशिष्ट योगासनों का प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता हेतु बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले आठ खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

विजेता टीम में योग विज्ञान विभाग से एमएससी योग साइंस एंड थेरेपी की छात्रा स्नेहलता, इंटेग्रेटिड बीएससी योग साइंस एंड थेरेपी की छात्राएं रीटा देवी, सौम्या ओझा, प्रीति चौहान, प्रीति, तनीषा एवं बीएससी साइकोलॉजी की छात्रा नेनसी प्रतिभागी रही। जिनमें से ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता हेतु बीएससी योग साइंस एंड थेरेपी की छात्र रीटा देवी एवं बीएससी साइकोलॉजी की छात्रा नेनसी का चयन किया गया। इस प्रतियोगिता में योग विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक योगाचार्य प्रकाश कुलपति के मनोनीत सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर योग विज्ञान विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी व फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर सहित योग विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. नवीन कौशिक, निहारिका सिंह रोजरिया, प्रकाश एवं मानव कुमार आदि उपस्थित रहे।

गुजविप्रौवि की टीम ने इंटर कॉलेज योग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार की यूटीडी (गुजविप्रौवि) की टीम ने फतेहचंद महिला महाविद्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज योग प्रतियोगिता (पुरुष वर्ग व महिला वर्ग) में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में यूटीडी की प्रतिभागियों ने बेहतरीन प्रस्तुतियां दी। महिला वर्ग की प्रतियोगिता में यूटीडी (गुजविप्रौवि) टीम प्रथम, एफसी कॉलेज की टीम द्वितीय, हांसी के एसडी कॉलेज की टीम तृतीय स्थान पर रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने महिला वर्ग में यूटीडी गुजविप्रौवि की टीम के प्रथम आने पर समस्त विजेता व ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता हेतु चयनित प्रतिभागियों को बधाई दी व

उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। योग विज्ञान विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में चार टीमों और एकल वर्ग में 13 लड़कों व 18 लड़कियों ने भाग लिया। महिला व पुरुष वर्ग के प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न विशिष्ट योगासनों का प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता हेतु बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले आठ खिलाड़ियों का चयन किया गया है।विजेता टीम में योग विज्ञान विभाग से एमएससी योग साइंस एंड थेरेपी की छात्रा स्नेहलता, इंटेग्रेटिड बीएससी योग साइंस एंड थेरेपी की छात्राएं रीटा देवी, सौम्या ओझा, प्रीति चौहान, प्रीति, तनीषा एवं बीएससी साइकोलॉजी की छात्रा नेनसी प्रतिभागी रही। जिनमें से ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता हेतु बीएससी योग साइंस एंड थेरेपी की छात्र रीटा देवी एवं बीएससी साइकोलॉजी की छात्रा नेनसी का चयन किया गया। इस प्रतियोगिता में योग विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक योगाचार्य प्रकाश कुलपति के मनोनीत सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर योग विज्ञान विभाग की अध्यक्षा प्रो. शबनम जोशी व फिजियोथेरेपी विभाग की अध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर सहित योग विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. नवीन कौशिक, निहारिका सिंह रोजरिया, प्रकाश एवं मानव कुमार आदि उपस्थित रहे।

1. ॐ ह्रां मित्राय नमः
2. ॐ ह्रीं रवये नमः
3. ॐ ह्रूं सूर्याय नमः
4. ॐ ह्रैं भानवे नमः
5. ॐ ह्रौं खगाय नमः
6. ॐ ह्रः पूष्णे नमः
7. ॐ ह्रां हिरण्यगर्भाय नमः
8. ॐ ह्रीं मरीचये नमः
9. ॐ ह्रूं आदित्याय नमः
10. ॐ ह्रैं सवित्रे नमः
ॐ ह्रौं अर्काय नमः
भास्कराय नमः

DEPARTMENT OF PHYSIOTHERAPY
GUCCI
GIVE ME COFFEE!

नवयोग सूर्योदय सेवा समिति
एवं गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ
साइन्स एण्ड टेक्नालजी के संयुक्त
तत्त्वावधान में अंतरराष्ट्रीय वेबीनार

21 जून 2021 सोमवार

समय सायं 4:00 PM

बदलते परिदृश्य में योग से शारीरिक
मानसिक और आध्यात्मिक विकास

International Yoga Day 2021
Celebration

मुख्य अतिथि

श्री भगत सिंह कोश्यारी
मा० राज्यपाल
महाराष्ट्र एवम् गोवा

विशिष्ट अतिथि

श्री अर्जुन मेघवाल
मा० संसदीय कार्य
राज्यमंत्री भारत सरकार

अध्यक्षता

प्रो० टंकेश्वर कुमार
कुलपति, गुरु जंभेश्वर
विज्ञान और प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय,
हिसार

विशेष अतिथि

स्वामी ब्रह्मा देव
महर्षि वैदिक, विश्वविद्यालय
कुलपति, त्रिनिनाद,
वेस्ट इंडीज

विशेष अतिथि

प्रो० महेश प्रसाद
विभागाध्यक्ष, योग
विज्ञान विभाग

डा० देवी दत्त जोशी
अध्यक्ष, नवयोग
होम्योपैथी शोध केंद्र

श्री राधावल्लभ बौड़ाई
राष्ट्रीय संयोजक
नवयोग शोध एवम् प्रचार
प्रसार संस्थान

वक्ता

मुख्य वक्ता

डा० नवदीप जोशी
अंतरराष्ट्रीय, नादयोग गुरु

डा० विक्रम सिंह
अध्यक्ष
नवयोग शोध एवम् प्रचार
प्रसार संस्थान

श्री गिरीश झा
माइंडफुलनेस मेडिटेशन
चिकित्सक गिल्बर्ट, यूएसए

डा० नवीन वैशिक
सहायक प्रोफेसर, योग फिजियोथेरेपी विभाग,
गुरु जंभेश्वर, विवि हिसार

कार्यक्रम संयोजक

योगाचार्य प्रकाश
योग सहायक प्रोफेसर, योग फिजियोथेरेपी
विभाग, गुरु जंभेश्वर,
विवि हिसार

श्रीमती नीवा सिंह
योग और फिटनेस विशेषज्ञ
सीनियर गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर,
खेल मंत्रालय

Organized by
NAVYOG SURYODAYA SEVA SAMITI
Navyoga institute of Naturopathy
and yoga science , Navyoga gram ,
Tanakpur , Uttarakhand,
@navyogaMind ,
https://www.navyoga.com,

LIVE @navdeepyoga

NAVYOGA

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नालजी एवं नवयोग सूर्योदय सेवा समिति के संयुक्त तत्त्वावधान में अंतरराष्ट्रीय वेबीनार

भाग 22

विषयः योग एवं सूजोक एक्यूप्रेशर चिकित्सा

मुख्य अतिथि

श्री अविनाश राय खन्ना
राज्यसभा सांसद
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी

अध्यक्षता

प्रो० ठंकेश्वर कुमार
कुलपति, गुरु जंभेश्वर
विज्ञान और प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय, हिसार

विशिष्ट अतिथि

श्री विजय आनंद
योग केंद्र, ब्रिंघम
यूनाइटेड किंगडम

वक्ता

डा० नवीन कौशिक
सहायक प्रोफेसर
योग फिजियोथेरेपी
विभाग, गुरु जंभेश्वर,
विवि हिसार

वक्ता

डा० सतेंद्र मिश्रा
प्राकृतिक चिकित्सा संकाय
लखनऊ विश्वविद्यालय

समन्वयक

योगाचार्य प्रकाश
सहायक प्रोफेसर
योग फिजियोथेरेपी
विभाग, गुरु जंभेश्वर
विवि हिसार

संयोजक

डा० नवदीप जोशी
संस्थापक, नवयोग

सहसंयोजक

डा० विक्रम सिंह
निदेशक खेल विभाग
जवाहरलाल नेहरू

YouTube LIVE
LIVE

www.facebook.com/navdeepyoga/

दिनांक 27 सितम्बर, समय सायं 04 बजे

दैनिक भास्कर हिसार भास्कर 04-07-2020

डॉ. सावंत ने कहा- राजसी एवं तामसिक आहार से ही व्यक्ति शारीरिक एवं मानसिक रोगों से हो रहा ग्रस्त

जीजेयू में आयोजित सात दिवसीय योग कार्यशाला का वीसी ने किया उद्घाटन

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के फिजियोथेरेपी विभाग की ओर से 'प्रतिरोधक क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे। वर्कशॉप मुख्यवक्ता सावंत हॉस्पिटल, हिसार की अध्यक्ष डॉ. सत्य सावंत एवं विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील शर्मा की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुआ। इसमें 90 पार्टिसिपेंट्स रहे। इस मौके प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि योग भारत की दुनिया को अद्भुत देन है। योग से हम बिना किसी दुष्प्रभाव स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

डॉ. सत्य सावंत ने कहा कि जीवन में यौगिक एवं सात्विक आहार का बहुत अधिक महत्व है। जैसा होगा अन्न वैसा होगा मन। आहार सेवन से व्यक्ति निरोगी, दीर्घायु, कुशाग्र बुद्धि, ओज एव बल को प्राप्त करता है। राजसी आहार द्वारा चित्त में चंचलता एवं क्रोध उत्पन्न होते हैं तो तामसिक आहार से

योग कार्यशाला में भाग लेते लोग।

व्यक्ति में आलस्य एवं जड़ता आती है। राजसी एवं तामसिक आहार के कारण ही व्यक्ति अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से ग्रस्त हो रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञा कौशिक और सहायक अध्यापिका निहारिका सिंह ने किया। प्रो. सुनील शर्मा कार्यशाला की कार्य योजना तथा उसके विभिन्न आयामों के बारे में अवगत कराया। ऑनलाइन कार्यशाला के दौरान विभाग के शिक्षक डॉ. शबनम जोशी, डॉ. मनोज मलिक, डॉ. जसप्रीत कौर, डॉ. कालिन्दी, डॉ. सोनू पुनिया, डॉ. रेखा चतुर्वेदी. डॉ. पंकज खटक, डॉ. कालिंदी, डॉ. विक्रम कौशिक, मोहन सहित पतंजलि योगपीठ के अनेक कार्यकर्ताओं सहित अनेक विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

इधर, ऑनलाइन समूह वार्ता में छात्रों ने लिया हिस्सा

हिसार | जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से चल रहे पाक्षिक वर्चुअल स्पीकथॉन कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन समूह वार्ता (ग्रुप डिस्कशन) प्रतियोगिता का आयोजन किया। ऑनलाइन समूह वार्ता में विभिन्न विभागों के 27 विद्यार्थियों ने भाग लिया। टाइम हिसार के निदेशक पंकज चौधरी व रजनीश तथा हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सविता ने कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका निभाई। पंकज चौधरी ने समूह वार्ता में प्रभावी रूप से भाग कैसे ले के बारे में ओरिएंटेशन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि अधिकतर नियुक्तियों या दाखिलों में, समूह वार्ता का उपयोग ऐलिमिनेशन प्रोसेस के रूप में किया जाता है। इसलिए समूह वार्ता में अच्छा होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रुप डिस्कशन के इस माध्यम का उपयोग मूल्यांकनकर्ता उम्मीदवारों के संचार कौशल, विषय ज्ञान, आत्मविश्वास बढ़ाने में कर सकते हैं।

GURU JAMBHESHWAR UNIVERSITY OF
SCIENCE AND TECHNOLOGY, HISAR
A Haryana State govt. University, A+grade accredited by NAAC
Celebrates
9th INTERNATIONAL DAY OF YOGA
21st June, 2023
Venue: Fragrance Garden
Azadi Ka Amrit Mahotsav
G20
for Harmony & Peace
sudhaiva Kutumbakam
Ghar Aangan Yoga" a reality
tment of Physiotherapy

GURU JAMBHE
SCIENCE AN
IVERSITY OF
GGY, HISAR
8th INTE
OF YOGA
21st June, 20
Departme
otherapy

GURU JAMBHESHWAR UNIVERSITY OF
SCIENCE AND TECHNOLOGY, HISAR

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में 12 दिवसीय योग शिविर शुरू

जागरण संवाददाता • हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग में 10वें अंतर राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में 12 दिवसीय सामान्य योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम व योग शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में प्रतिदिन 21 जून अंतर राष्ट्रीय योग दिवस तक विभिन्न यौगिक गतिविधियां संचालित की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि रहे। विश्वविद्यालय के तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह, विभागाध्यक्ष प्रो. जसप्रीत कौर, आयुष विभाग से एएमओ डा. मोनिका बांगा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में आयुष विभाग हिसार की सहभागिता भी रही।

मुख्यातिथि प्रो. विनोद छोकर ने सभी उपस्थित योग प्रशिक्षकों व प्रतिभागियों को अंतर राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए योग को जीवन का सार बताया। उन्होंने कहा कि भारत में योग सदियों से किया जा रहा है, लेकिन इसे अंतर राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरुआत सबसे पहले वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। 21 जून को योग दिवस मनाए जाने का सबसे बड़ा कारण यह था कि इस दिन पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है। जिसे भारत के कुछ स्थानों पर 'ग्रीष्म संक्रांति' का दिन कहकर भी बुलाया जाता है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. संदीप राणा ने योग के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए योग साधना को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि योग मनुष्य के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। चिकित्सा विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. सुमित्रा सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भारत की उस प्राचीन योग पद्धति का प्रतीक है। इस अवसर पर डा. मनोज मालिक, डा. मीनाक्षी भाटिया, डा. नवीन कौशिक, निहारिका सिंह रोजडिया, डा. रेखा चतुर्वेदी, डा. अलका पावलिया, डा. चारू सहित अन्य उपस्थित रहे।

जेजेयू में योग शिविर में भाग लेते मुख्यातिथि कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर। • पीआरओ

****

SCIENCE AND TECH
Established by State Legislature Act 17 of 1995 & Recognised by UGC Act
'A' GRADE NAAC ACCREDITED
Welcome
Azadi Ka Amrit Mahotsav
Inaugural Ceremony of 15 Days CYP Training Program
On the Occasion of
8th INTERNATIONAL DAY OF YOGA
7th June, 2022 Venue: Hibiscus Garden, TB-1
Organized by:
Department of Physiotherapy

GPS Map Camera
Hisar, Haryana, India
5PFP+56R, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Hisar, Haryana 125001, India
Lat 29.173098°
Long 75.735583°
13/02/23 07:16 AM GMT +05:30
Google

सूर्यनमस्कार कार्यक्रम

(शिव षड़क्षर स्त्रोतम्)
ऊँ कारं बिन्दुसंयुक्तं, नित्यं ध्यायन्ति यो
कामदं मोक्षदं चैव, ऊँकाराय नमो नमः
(देवी सर्वभूतेषु मन्त्र)
या देवी सर्व भूतेषु, विद्यारुपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो

(संगठन मन्त्र)
संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्।
देवा भागं यथा पूर्वे सञ्जानाना उपासते।।
(पथमान मन्त्र)
ऊँ असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय।। मृत्योर्माऽमृतं गमय ।।।
(पातंजलि प्रार्थना)
योगेन चित्तस्य पदेन वाचां, मलं शरीरस्य च वैद्यकेन ।
योपाकरोत्तं प्रवरं मुनीनां, पतंजलिं प्राजलिरानतोऽस्मि।।
(शिव षड़क्षर स्त्रोतम्)
(देवी सर्वभूतेषु मन्त्र)

CH. RANBIR